Shri A. C. Guha: When do Government propose to take up the other four industrial estates?

Shri Manubhai Shah: The consideration stage is, more or less, over, and we want to sanction them very soon. What is really wanted is implementation, not so much the sanction.

Shri S. C. Samanta: May I know whether the Planning Commission has finished its consideration, and it is lying with the Commerce Ministry?

Shri Manubhai Shah: That perhaps would be an internal question of administration. All I can assure the hon. Member is that we are very keen to see that these estates come up very fast in the West Bengal State.

Military Mission in Nepal

*386. **Shri Bibhuti Mishra:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Indian Military Mission's advice in Nepal has proved helpful and useful; and

(b) if so, how long the mission is to stay with the Nepal Government?

The Deputy Minister of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): (a) We have been informed by the Government of Nepal that this is so.

(b) As long as the Government of Nepal require their presence and it is convenient for the Government of India to maintain the mission there.

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि हमारा जो मिशन काठमांडू में रहता है उसके लिये वहां की आबोहवा स्वास्थ्यकर नहीं है। क्या इसलिये भारत सरकार उनको वेसी एलाउंस देने की बात सोच रही है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : आपने पूछा कि वहां की आबोहवा अच्छी है या नहीं ?

श्री विभूति मिश्र : मैं ने कहा कि क्योंकि वहां की आबोहवा यहां के सिपाहियों के लिये उपयुक्त नहीं है, क्या इसलिय भारत सरकार उनके खाने पीने का एलांउस बढ़ाने के बारे में सोच रही है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : इसका जरुर प्रबन्ध किया गया होगा क्योंकि जहां भी हमारी फौजें जाती हैं उनके खाने पीने का बहुत अच्छा इन्तिजाम होता है ।

श्री विभूति मिश्र : मैं यह जानना चाहता हूं कि अब तक हमारा मिलिटरी मिशन कितने आदमियों को वहां शिक्षा दे पाया है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : यह तो मैं नहीं कह सकता । हमारे वहां इस वक्त १६० लोग हैं जिनमें से २८ अफसर हैं और १६२ दूसरे लोग हैं । कुछ रोज हुए मैं ने सुना था कि उन्होंने वहां की काफी फौज को तैयार कर दिया है, ठीक तादाद तो नहीं बतला सकता । ऐसा करने में कुछ दिक्कतें भी आयीं, हमारी तरफ से नहीं, बल्कि इसलिये कि नेपाल गवर्नमेंट अपने आदमियों को काम से हटा नहीं सकती थी । इसलिये देर हो जाती थी । लेकिन काफी लोग सिखाये जा चुके हैं ।

Shri Panigrahi: May I know whether the Indian Military Mission has advised the Government of Nepal to maintain regular military check-posts on the Nepal-Tibet border? If so, who pays the cost of maintaining such posts?

Shri Jawaharlal Nehru: The Indian Military Mission do not advise anybody. They have gone there to train the Nepalese Army at the request of the Government of Nepal. They have nothing to do with advising the Government of Nepal or anybody. But I believe check-posts are kept all over the frontier to present smuggling, and undesirable people coming. So far as I know, they are small check-posts, probably police check-posts.